प्रेस विज्ञप्ति

30.10.2026

प्रवर्तन निदेशालय, मुंबई जोनल कार्यालय-I ने 28.10.2026 को 'धन शोधन निवारण अधिनियम' (PMLA), 2002 के प्रावधानों के तहत मुंबई और नवी मुंबई (महाराष्ट्र) तथा सूरत और भावनगर (गुजरात) में 11 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई नशीले पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क और अवैध नशीले पदार्थों के व्यापार से अर्जित 'अपराध की आय' का पता लगाने के लिए की गई। इस अवैध व्यापार को नवीन चिचकर, धीरज चिचकर और उनके सहयोगियों द्वारा संचालित एक सुस्थापित अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थ सिंडिकेट (गिरोह) द्वारा अंजाम दिया जा रहा था। तलाशी का उद्देश्य उस तरीके (modus) का पता लगाना था, जिसके जरिए नशीले पदार्थों की बिक्री से प्राप्त रकम–जो मुख्य रूप से नकद (कैश) में आती थी–को वित्तीय अर्थव्यवस्था में शामिल किया जाता था और फिर उसे कई परतों (layers) के जरिए इस तरह घुमाया जाता था ताकि वह वैध आय लगे।

मुंबई/नवी मुंबई में भारी मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाली हाइड्रोपोनिक कैनबिस (गांजा), कोकीन और बिना हिसाब-किताब वाली नकदी जब्त होने के बाद, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB), मुंबई की शिकायत के आधार पर एनडीपिएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत प्रवर्तन निदेशालय ने जांच शुरू की। आरोप है कि नवीन चिचकर और अन्य लोग एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े थे, जो कोकीन, हाइड्रोपोनिक कैनबिस, एलएसडी और कैनबिस से बने खाद्य पदार्थों की बिक्री में शामिल था। ये चीजें मुख्य रूप से भारत के बाहर से मंगाई जाती थीं।

तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक सामग्री और डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए, जिनमें महंगे स्मार्टफोन, लैपटॉप और इंटरनल स्टोरेज मीडिया शामिल हैं। इसके साथ ही, व्यावसायिक खाते की किताबें, वित्तीय लेजर और निवेश के रिकॉर्ड भी जब्त किए गए।

तलाशी से पता चला है कि नशीले पदार्थों की बिक्री से मिली रकम को इधर-उधर घुमाया गया और नकद राशि को अमेरिकी डॉलर और थाई बाट जैसी विदेशी मुद्राओं में बदल दिया गया, जो बाद में आरोपियों को उपलब्ध कराई गईं। इसके अलावा, अपराध से मिली नकद रकम को कुछ वैध व्यवसायों में भी निवेश किया गया, ताकि उसे साफ-सुथरा पैसा दिखाया जा सके।

"क्रिप्टो ट्रेडर्स" से जुड़ी जगहों पर तलाशी ली गई, जिसमें कुछ ऐसे "क्रिप्टो वॉलेट/एसेट्स" (संपत्तियां) मिले, जो प्रथम दृष्टया अपराध से प्राप्त कमाई से जुड़े प्रतीत होते हैं। पता चला है कि संदिग्ध व्यक्ति भारत के बाहर से कई क्रिप्टो ट्रेडिंग अकाउंट चला रहे थे। मिली जानकारी की जांच की जा रही है ताकि उनसे जुड़े अन्य अकाउंट और ट्रांजैक्शन हिस्ट्री का पता लगाया जा सके, और अपराध से प्राप्त कमाई को जब्त किया जा सके।

आगे की जांच जारी है।